त्रिशी के बाद मेधा ने भी अविनाश को दिया क्रेडिट

अभिनेत्री मेधा शंकर ने भी 'जिन्नी वेड्स सनी 2' जॉइन करने का क्रेडिट अविनाश तिवारी को दिया है. जैसे-जैसे अविनाश तिवारी की फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 की प्रोमोशन्स की स्पीड तेज हो रही है, वैसे-वैसे मेधा शंकर भी अपने को-स्टार अविनाश तिवारी की तारीफों के पुल बांधती नजर आ रही हैं. मेधा ने खुलासा किया कि इस फिल्म का हिस्सा बनने का सबसे बड़ा कारण अविनाश ही थे.

मेधा ने बताया कि सिर्फ स्क्रिप्ट और फिल्म का स्केल ही नहीं, बल्कि अविनाश की मौजूदगी ने उनका फैसला आसान बना दिया. उन्होंने सेट पर अपने एक्सपीरियंस को भरोसे और कम्फर्ट से भरा बताया, जो उनके मुताबिक इंडस्ट्री में खासकर महिलाओं के लिए बेहद जरूरी है.उन्होंने कहा, 'जब आप एक फीमेल एक्ट्रेस होती हैं और थोड़ा शांत स्वभाव की दिखती हैं, तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेते. फीमेल पर्सपेक्टिव से कह रही हूं. अविनाश की वजह से ही मुझे बहुत वेलकम फील हुआ. वो नए टैलेंट और महिलाओं के लिए बहुत सपोर्टिव हैं... वो एक सिक्योर एक्टर हैं. उन्होंने मुझे ये स्पेस दिया कि मैं खुलकर बता सकूं कि मुझे क्या ठीक नहीं लगता और मैं क्या अलग करना चाहती हूं. ये सब अविनाश से शुरू हुआ, और साथ ही प्रशांत झा सर भी बहुत सपोर्टिव और फीडबैक के लिए ओपन हैं. दोनों ने मुझे हिम्मत से अपनी बात रखने की आज़ादी दी.'

मेधा ने कहा, 'वो ऐसे एक्टर हैं जो खुद सजेस्ट करते हैं कि मैं अपने किरदार के हिसाब से डायलॉग्स ले लूं. स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद अगर उन्हें लगता है कि जिन्नी को किसी चीज़ पर स्टैंड लेना चाहिए, तो वो खुद बताते हैं. उन्हें इससे कुछ हासिल नहीं होना, फिर भी वो करते हैं. मैंने पहले कभी किसी मेल को-एक्टर को ये कहते नहीं देखा कि लड़की का किरदार और दमदार होना चाहिए.'

त्रिशी ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लैला मजनू के सेट पर बहुत नर्वसनेस होती थी. मुझे तब एक्टिंग का 'अ' भी नहीं आता था. मैं इतनी घबरा जाती थी कि कभी-कभी लगता था ये मेरे बस की बात नहीं है. 'उन्होंने बताया कि उस वक्त अविनाश ने सही समय पर उन्हें मोटिवेट किया. 'ये सब सुनने के बाद अविनाश ही थे जिन्होंने मुझसे कहा, 'नहीं यार, तुम्हें ट्राय करना चाहिए.' उन्होंने ही मुझे एक्टिंग वर्कशॉप जॉइन करने की सलाह दी,' उन्होंने कहा. त्रिशी के अनुसार, वही एक सलाह उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गई.

'लुक्खे' का वर्ल्डवाइड प्रीमियर 8 मई को

म्यूज़िकल एक्शन ड्रामा, लुक्खे का वर्ल्डवाइड प्रीमियर प्राइम वीडियो पर आठ मई को होगा.

हिमांक गौर द्वारा निर्देशित और विपुल डी. शाह तथा राजेश बहल द्वारा ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले निर्मित, 'लुक्खे पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांच से भरपूर एक्शन ड्रामा है. लुक्खे का प्रीमियर आठ मई को प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से हिंदी में किया जाएगा. यह सीरीज़ भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम होगी.

अग्रिम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ द्वारा निर्मित और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस की गई इस आठ एपिसोड की सीरीज़ में राशी खन्ना मुख्य भूमिका में हैं. इसके साथ ही मशहूर भारतीय रैपर, गीतकार और गायक किंग इस सीरीज़ के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं.

टीज़र में उनकी बातचीत और मुलाकात की एक बहुत ही दमदार झलक दिखाई गई है, जिसे काफी ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है .इसका अंदाज काफी बेबाक और सीधा है, जिससे लगता है कि फिल्म इतिहास के उन पन्नों को खोलने की कोशिश करेगी जो अब तक बंद थे .

फिल्म 'आखिरी सवाल' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड स्टार संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' का टीजर रिलीज हो गया है.

लोगों की उत्सुकता को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म 'आखिरी सवाल' का दमदार टीज़र रिलीज किया है, जो फिल्म की कहानी को लेकर सस्पेंस और गहरा कर देता है. इसकी शुरुआत एक ऐसे सवाल से होती है जिसे पूछने की हिम्मत कम ही लोगों ने दिखाई है. साल 1934 में जब राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के फाउंडर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और महात्मा गांधी के बीच वह ऐतिहासिक मुलाकात हुई थी, तो असल में उनके बीच क्या बात हुई थी?

टीज़र में उनकी बातचीत और मुलाकात की एक बहुत ही दमदार झलक दिखाई गई है, जिसे काफी ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है. इसका अंदाज काफी बेबाक और सीधा है, जिससे लगता है कि फिल्म इतिहास के उन पन्नों को खोलने की कोशिश करेगी जो अब तक बंद थे.

निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, निखिल नंदा द्वारा प्रेजेंट की गई है और इसका निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है. 'आखिरी सवाल' के प्रोड्यूसर्स निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद ने इसे को-प्रोड्यूस किया है. फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं. इसका म्यूजिक मोंटी शर्मा ने तैयार किया है और बोल कुमार विश्वास के हैं. 'आखिरी सवाल' 08 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

तोरल रसपुत्र निभाएंगी कुंती का किरदार

अभिनेत्री तोरल रसपुत्र सोनी सब के आगामी शो में कुंती का किरदार निभाती नजर आयेंगी.हस्तिनापुर के वीर, पांडवों के शुरुआती वर्षों और उनके बनने की गाथा को दिखाएगा. इस शो में अभिनेत्री तोरल रसपुत्र , कुंती का अहम किरदार निभाती नजर आयेंगी. तोरल रसपुत्र ने कहा, 'कुंती एक ऐसा किरदार है जो मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है. मुझे सबसे ज्यादा खींचा इस बात ने कि मैं उसे एक मां के रूप में दिखा सकूं उसकी चिंताएं, उसके त्याग और वह भावनात्मक बोझ जो वह अपने बेटों को एक जटिल और अक्सर कठोर दुनिया में पालते हुए उठाती है. हर चुनौती को वह गरिमा और शालीनता से संभालती है और मैं इसे स्क्रीन पर उतारने के लिए उत्साहित हूं. यह किरदार एक बड़ी विरासत के साथ आता है और मैं चाहती हूं कि उसकी कहानी आज के दर्शकों तक इस तरह पहुंचे कि वे उससे जुड़ सकें.'

कीर्ति का नेगेटिव रूप निभाना आसान नहीं : गौरी

'जाने अनजाने हम मिले' की गौरी अग्रवाल ने कीर्ति के बदलते रूप पर कहा, 'मुझे खुद को बार-बार याद दिलाना पड़ा कि यही किरदार की मांग है' ज़ी टीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले', जिसमें भरत अहलावत और आयुषी खुराना नजर आ रहे हैं, अपने मौजूदा ड्रामेटिक ट्रैक के साथ दर्शकों को लगातार जोड़े हुए है. इस वक्त कहानी में कीर्ति, रीत और राघव को अलग करने के लिए हर हद पार करती नजर आ रही है. हाल के एपिसोड में कीर्ति के किरदार में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. जो किरदार शुरुआत में पॉजिटिव था, वह धीरे-धीरे ग्रे होता गया और अब पूरी तरह नेगेटिव बन चुका है. राघव पर झूठा इल्जाम लगाने से लेकर रीत को नुकसान पहुंचाने तक, और यहां तक कि खुद को चोट पहुंचाने तक, कीर्ति हर सीमा पार करती दिख रही है. इन सीन को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, लेकिन गौरी अग्रवाल बताती हैं कि इस तरह के बदलाव का असर उन पर निजी तौर पर भी पड़ा है. उनका कहना है कि उन्हें बार-बार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि कीर्ति जो भी कर रही है, वो सिर्फ किरदार की सोच का हिस्सा है, भले ही उसे महसूस करना आसान नहीं होता. इन सीन के बारे में बात करते हुए गौरी अग्रवाल कहती हैं, 'कुछ ऐसे सीन थे जहां सच कहूं तो मेरे अपने सही-गलत के एहसास ने मुझे रोका.

'धुरंधर' सीरीज का धमाका 3000 करोड़ पार

जियो स्टूडियोज की दोनों फिल्मों, धुरंधर और 'धुरंधर: द रिवेंज' ने बॉक्स ऑफिस पर मिलकर 3000 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. भारतीय सिनेमा के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है. 'धुरंधर' सीरीज की दोनों फिल्मों ने ग्लोबल बॉक्स ऑफ़िस पर इतिहास रच दिया है. फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियोज़ और बी62 स्टूडियोज़ के बैनर तले ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है.

वर्ष 2025 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'धुरंधर' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया भर में 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. सिर्फ घरेलू बाजार में फिल्म ने 1000 करोड़ रुपये से अधिक का ग्रॉस कलेक्शन दर्ज किया था. इसके बाद रिलीज हुई 'धुरंधर 2: द रिवेंज' ने इस सफलता को और आगे बढ़ाते हुए 1700 करोड़ रुपये से अधिक का वैश्विक कलेक्शन किया. फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए एक ही भाषा में 1000 करोड़ से अधिक नेट कलेक्शन करने वाली पहली भारतीय फिल्म का दर्जा हासिल किया. दोनों फिल्मों का कुल वैश्विक कलेक्शन 3000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया है, जिससे यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह पहली भारतीय फिल्म बन गई है.दोनों फिल्मों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और दर्शकों के बीच अपनी पकड़ बनाए रखी. एक्शन, कहानी और बड़े पैमाने हुई रिलीज ने इसे भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी लोकप्रिय इसे बनाया.

'डकैत - एक प्रेम कथा' यूएस टॉप 10 में शामिल

अड़ीवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप अभिनीत फिल्म डकैत - एक प्रेम कथा का शानदार सफर जारी है.

इस फिल्म ने वैश्विक और घरेलू बाजारों में दमदार प्रदर्शन दर्ज किया है. रिलीज के पांचवें दिन, फिल्म ने यूएसए बॉक्स ऑफिस चार्ट में 7वां स्थान हासिल किया और मंगलवार तक टॉप 10 में बनी रही, जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता और विदेशी दर्शकों के बीच मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ को दर्शाता है.

फिल्म की सफलता में एक और अहम पहलू जुड़ा है.इसके हिंदी वर्जन में दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है. पिछले दिन की तुलना में बॉक्स ऑफिस पर 15% की वृद्धि दर्ज की गई, जो खासकर हिंदी भाषी दर्शकों के बीच फिल्म के प्रति बढ़ती दिलचस्पी और स्वीकार्यता को दिखाता है.

बाहुबली: द इटरनल वॉर का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन किया गया है. बाहुबली फ्रैंचाइज़ी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है.

यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है. जहाँ थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीज़र ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है. अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है. 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है.

इंटरनेशनल मंच पर 'बाहुबली : द इटरनल वॉर'

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

चैटजीपीटी पर सख्त नियमों की तैयारी

यूरोपीय संघ अब ओपनएआई के चैटजीपीटी प्लेटफॉर्म पर सख्त नियमन लगाने पर विचार कर रहा है. यह कदम यूरोपीय संघ के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत उठाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को ज्यादा जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है.

यूरोपीय आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या चैटजीपीटी को 'लार्ज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म' की श्रेणी में रखा जाना चाहिए या नहीं. ऐसा इसलिए क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार चैटजीपीटी के यूजर बेस ने 45 मिलियन की डिजिटल सेवा कानून सीमा को पार कर लिया है, जो किसी भी प्लेटफॉर्म को इस श्रेणी में लाने का एक प्रमुख मानदंड है.

आयोग के प्रवक्ता थॉमस रेग्नियर ने बताया कि ओपनएआई ने खुद यह जानकारी दी है कि चैटजीपीटी के मासिक यूजर्स इस तय सीमा से अधिक हो चुके हैं. इसी आधार पर अब यह मूल्यांकन किया जा रहा है कि क्या इस प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त नियम लागू किए जाएं.

यदि चैटजीपीटी को डिजिटल सेवा कानून के तहत बड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म घोषित किया जाता है, तो कंपनी को कंटेंट मॉडरेशन, डेटा ट्रांसपेरेंसी, और यूजर सेफ्टी से जुड़े कई सख्त नियमों का पालन करना होगा. इसका मकसद गलत सूचना, हानिकारक कंटेंट और डिजिटल जोखिमों को कम करना है. यह कदम ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है.

विशेषज्ञों का मानना है कि टूल्स जितने उपयोगी हैं, उतना ही जरूरी है कि उन्हें नियंत्रित और सुरक्षित तरीके से विकसित किया जाए. पहले भी बड़े टेक प्लेटफॉर्म्स जैसे सोशल मीडिया कंपनियों पर इसी तरह के नियम लागू कर चुका है, ताकि डिजिटल स्पेस को ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सके. अब देखना यह होगा कि आने वाले समय में चैटजीपीटी पर किस तरह के नए नियम लागू किए जाते हैं और इसका वैश्विक उद्योग पर क्या असर पड़ता है.

आर्टेमिस-2 बना अफवाहों का शिकार

आर्टेमिस-2 से जुड़ी हालिया घटनाओं ने जहां अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में उत्साह बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर इस मिशन को लेकर कई तरह की साजिशी थ्योरी भी तेजी से फैल रही हैं. नासा के इस महत्वाकांक्षी मिशन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भ्रामक दावे किए जा रहे हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि चंद्रमा के पास से उड़ान भरने वाला यह मिशन असली नहीं, बल्कि किसी फिल्म स्टूडियो में शूट किया गया है.

दरअसल, आर्टेमिस द्वितीय मिशन का उद्देश्य इंसानों को एक बार फिर चंद्रमा के करीब ले जाना है. हाल ही में ओरियन कैप्सूल की सफल स्प्लैशडाउन लैंडिंग की तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जिन्हें नासा ने साझा किया. लेकिन इन असली फुटेज को भी कुछ लोगों ने एआई जनरेटेड बताकर भ्रम फैलाने की कोशिश की. यह पहली बार नहीं है जब अंतरिक्ष मिशनों को लेकर ऐसी अफवाहें सामने आई हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स, टिक-टॉक और फेसबुक पर वायरल हो रहे इन दावों ने पुरानी साजिशी थ्योरी को भी फिर से हवा दे दी है. खासकर 1969 के अपोलो 11 को लेकर पहले से मौजूद यह दावा कि चंद्रमा पर उतरना एक झूठ था, अब दोबारा चर्चा में आ गया है.

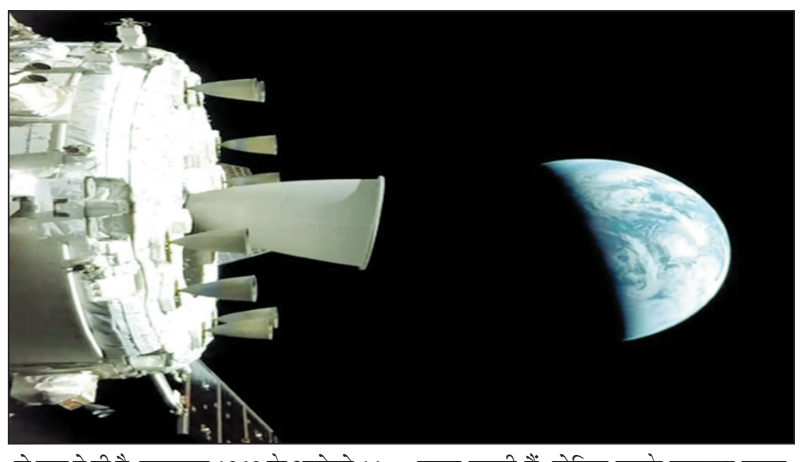

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की गलत जानकारी विज्ञान और तकनीक पर लोगों के भरोसे को कमजोर करती है. नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां लगातार पारदर्शिता के साथ अपने मिशनों की जानकारी साझा करती हैं, लेकिन इसके बावजूद गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं.

इस पूरे मामले से यह साफ होता है कि डिजिटल दौर में किसी भी बड़ी उपलब्धि के साथ-साथ गलत सूचनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है. ऐसे में जरूरी है कि लोग किसी भी जानकारी पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें और विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करें.

खुद को साफ रखने वाला अनोखा जीव

ग्रीन पिल मिलिपीड पर हाल ही में एक महत्वपूर्ण अध्ययन सामने आया है, जिसमें इस जीव की अद्भुत सेल्फ-क्लीनिंग प्रणाली का खुलासा किया गया है. यह प्रजाति भारत के पश्चिमी घाट में पाई जाती है और विशेष रूप से केरल के इडुक्की जिले के मुन्नार क्षेत्र तथा पलक्कड़ के नेल्लियामपथी इलाकों में इसकी मौजूदगी दर्ज की गई है.

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह मिलीपीड अपने शरीर को साफ रखने के लिए एक प्राकृतिक तंत्र का उपयोग करता है, जो काफी हद तक प्रसिद्ध 'लोटस इफेक्ट' जैसा है. लोटस इफेक्ट वह प्राकृतिक गुण है जिसमें कमल के पत्तों पर पानी की बूंदें गंदगी को अपने साथ लेकर फिसल जाती हैं और सतह साफ रहती है. इसी तरह यह जीव भी अपने शरीर की सतह को साफ रखने में सक्षम पाया गया है.

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मिलीपीड की त्वचा की संरचना माइक्रो-लेवल पर इतनी खास है कि धूल, मिट्टी और अन्य कण उस पर ज्यादा देर टिक नहीं पाते. जब भी यह जीव नमी या पानी के संपर्क में आता है, तो उसके शरीर पर जमी गंदगी स्वत: हट जाती है. यह अध्ययन न केवल जीव विज्ञान के क्षेत्र में नई जानकारी जोड़ता है, बल्कि बायो-इंस्पायर्ड टेक्नोलॉजी के लिए भी नए रास्ते खोलता है. वैज्ञानिक मानते हैं कि ऐसे प्राकृतिक सिस्टम का अध्ययन करके भविष्य में ऐसे मटेरियल तैयार किए जा सकते हैं जो खुद को साफ रखने में सक्षम हों, जैसे कि सेल्फ-क्लीनिंग कपड़े, पेंट या सतहें.

शाओमी 18 प्रो बन सकता है सुपरफास्ट फोन

टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक बार फिर से शाओमी सुर्खियों में है. कंपनी का आने वाला फ्लैगशिप स्मार्टफोन शाओमी 18 प्रो अपने दमदार स्पेसिफिकेशन्स को लेकर लगातार चर्चा में बना हुआ है. लीक्स रिपोर्ट्स के अनुसार यह फोन साल की दूसरी छमाही में शाओमी 18 प्रो मैक्स के साथ लॉन्च किया जा सकता है.

लीक्स के मुताबिक इस नए स्मार्टफोन में सबसे बड़ा अपग्रेड कैमरा और बैटरी से जुड़ा हो सकता है. कहा जा रहा है कि शाओमी 18 प्रो में डुअल 200 मेगापिक्सल कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसमें टेलीफोटो और मैक्रो कैपेबिलिटी भी शामिल होगी. यह कैमरा सिस्टम फोटोग्राफी को एक नए लेवल पर ले जाने का दावा करता है और मौजूदा मॉडल शाओमी 17 प्रो की तुलना में काफी एडवांस बताया जा रहा है. बैटरी की बात करें तो इसमें 7,000एमएएच या उससे बड़ी बैटरी मिलने की उम्मीद है, जो 100 वाट फास्ट वायर्ड चार्जिंग और वायरलेस चार्जिंग दोनों को सपोर्ट कर सकती है. यह फीचर उन यूजर्स के लिए खास होगा जो लंबे समय तक फोन इस्तेमाल करते हैं और बार-बार चार्जिंग से बचना चाहते हैं. परफॉर्मेंस के लिए इसमें नए जनरेशन का फ्लैगशिप चिपसेट दिया जा सकता है, जो 2 नैनोमीटर प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर आधारित हो सकता है. इसके साथ स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 6 प्रोसेसर मिलने की भी संभावना जताई जा रही है.

इसके अलावा शाओमी 18 प्रो में अल्ट्रासोनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और बेहतर डिजाइन स्टैकिंग टेक्नोलॉजी मिलने की बात भी सामने आई है. यह सभी फीचर्स इसे एक प्रीमियम फ्लैगशिप डिवाइस बनाते हैं. हालांकि अभी यह सारी जानकारी लीक्स और रिपोर्ट्स पर आधारित है और कंपनी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन अगर ये फीचर्स सच साबित होते हैं, तो शाओमी 18 प्रो स्मार्टफोन मार्केट में एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हो सकता है और कैमरा व बैटरी सेगमेंट में नया स्टैंडर्ड सेट कर सकता है.